Mr. Speaker: He has said that: probably the answer then would be that that Government has nothing to do with this. That is what the hon. Minister has said already.

Shri Bhagwat Jha Azad: I would like to know whether Government have written to them or this is only a presumption.

Mr. Speaker: That is probably a presumption.

Shri Bhagwat Jha Azad: He has presumptions even when the sovereignty of the country is involved.

Shri Kapur Singh: Is there any justification in the apprehension entertained over here that this cartographic indication spells out that so far as the dominant world opinion is concerned, we have as good as lost Kashmir?

Shri T. T. Krishnamachari: I would not subscribe to any statement of that nature.

श्री के० डी० मालवीय : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि गवर्नमेंट से दरख्वास्त की जाये कि इस सवाल को बदल कर एक्स्टर्नल एफयर्ज मिनिस्ट्री में कर दिया जाये, ताकि हम लोग मुबाशिब तौर पर सवाल पूछ सकें ।

अध्यक्ष महोदय : यह सवाल तो अब पूछ लिया गया है ।

Shri Sham Lal Saraf: As has been pointed out by hon. Members of this House, this is not the first time that this kind of thing has happened, not from ordinary quarters but from very responsible quarters like the UNO, the USA and Britain. These are well-known organisations which have been committing this blunder repeatedly, whether deliberately or otherwise. May I know whether Government have taken up this matter seriously in the Ministry of External Affairs to see that these offices are contacted and persuaded not to allow these mistakes to recur again?

Shri T. T. Krishnamachari: I think I have answered the question already. It is a matter strictly relating to imports through customs and the action that has been taken under the Customs Act; all that we can do is to either completely ban the bringing in of this book or ask for the books being sent in a different way. The publishers have been told about this matter.

Shri Shinkre: May I draw the attention of Government to the fact that for about two years or more after the liberation of Goa, Daman and Diu, these territories were still being mentioned in the UN publications....

Mr. Speaker: We are not now on the Goa question.

Shri Shinkre: ....as Portuguese possessions, because the Indian representatives at the UN were dormant, and if so, may I know whether Government are thinking in terms of waking up those people at least now?

Mr. Speaker: That is not relevant to the main question.

राष्ट्रीय रक्षा कोष

*453. **श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या वित्त मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय रक्षा कोष में अब तक प्राप्त सोने के जेवरातों को गलाने का काम कब तक पूरा हो जाने की सरकार को आशा है; और

(ख) इस सम्बन्ध में क्या प्रक्रिया अपनाई गई है ?

योजना मंत्री (श्री ब० रा० भगत) : (क) सोने के जो गहने अपने कलात्मक मूल्य की दृष्टि से बचने के लिए चुने नहीं गये उन्हें गलाया जा चुका है ।

(ख) गलाये हुए सोने को इतना साफ किया जाता है कि उसकी शुद्धता

.995 या इससे अधिक की हो जाय और फिर उसकी चार-चार सौ ग्रौंस वजन की छड़ें ढाली जाती हैं ।

श्री हुकम चन्द कछवाय: मैं जानना चाहता हूं कि अभी तक कितना सोना गलाया गया है और उस में से खराब सोना कितना निकला है । जिस समय सोना गलाया गया, क्या उस समय कुछ तांबा भी उस में मिलाया गया ?

श्री ब० रा० भगत : अभी तक 23,74,242 ग्राम सोना गलाया जा चुका है। जो शुद्धता अभी मैं ने बताई है, अर्थात् .995 उस के हिसाब से जो सोना साफ़ हो कर निकला है, वह 19,05,157 ग्राम है ।।

श्री हुकम चन्द कछवाय: क्या सरकार को यह सूचना है कि सुरक्षा कोष में जो सोना दिया गया , वह अभी तक कुछ राज्यों से नहीं आया है ; यदि हां, तो सरकार उस सोने को मंगाने के सम्बन्ध में क्या कर रही है ?

अध्यक्ष महोदय : जो सोना आया है, यह सवाल उस को गलाने के बारे में है । बकाया का सवाल इस में नहीं है ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : जिस समय सोना गलाया गया उस समय कौन कौन अधिकारी मौजूद थे ? जो सोना अभी गलाया जाना है, उसको गलाते समय क्या कुछ संसद् सदस्यों को भी शामिल किया जाएगा?

अध्यक्ष महोदय : यह बात यहां नहीं लाई जा सकती है ।

श्री हुकम चन्द कछवाय: जिन के सामने सोना गलाया गया उन के नाम तो बता दिये जायें । काफी इस में घपला हुआ है ।

अध्यक्ष महोदय : उस में हम नहीं जा सकते हैं। गवर्नमेंट बनाई है तो उन पर एतबार भी करना होगा । फिर आप पूछेंग कि कोयले कितने जले वहां ।

श्री स० मो० बनर्जी : जो सोना गलाया गया और जो सीना सरकार के पास आया उसका क्या किया जाएगा ? उस समय जो नारा दिया गया था कि आर्नामेंट्स फार आर्मामेंट्स यानी उस के हथियार खरीदे जायेंग , क्या वे खरीदे जायेंगे या और चीजों में इसको लगाया जाएगा ?

श्री ब० रा० भगत : जो सोना गलाया गया उसे तो रिजर्व बैंक में भेज दिया गया। हथियार जो खरीदे जाते हैं व तो सारे देश के पैसे से खरीदे जाते हैं।

श्री काशी राम गुप्त: उस सोने को क्या 14 कैरेट का सोना बनाया जाएगा या बाईस कैरट का ?

श्री ब० रा० भगत : मैं ने शुद्धता बता दी है ।

श्री काशी राम गुप्त: शुद्धता मेरी समझ में नहीं आई है । कैरट बतायें ।

अध्यक्ष महोदय : कैरट कहां से आ गया जब कि उन्होंने कह दिया है, .995।

Shri Man Sinh P. Patel: In view of the fact that Government have so far melted only 23 lakh grammes, how many more years will it take them to melt all the gold received?

Shri B. R. Bhagat: The total gold received was 24,32,257 grammes, of which 23 lakh odd grammes have been melted. So, much of it has been melted.

Investments from Unit Trust Units

***454. Shri Alvares:** Will the Minister of **Finance** be pleased to state:

(a) the extent of money, collected by the sale of Unit Trust units, which has been invested so far;

(b) the manner in which it has been invested;

(c) the priorities for such investment; and